भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारां कत प्रश्न संख्या **3658**
10.08.2026 को उत्तर के लए

भारतीय वन्यजीव संस्थान में डीएनए सीक्वें संग सु वधा

3658. श्री सुकान्त कुमार पा णग्रही:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) क्या सरकार द्वारा भारतीय वन्यजीव संस्थान में नेक्स्ट-जनरेशन डीएनए सीक्वें संग (एनजीएस) सु वधा और डजिटल डेटाबेस की स्थापना के माध्यम से प्रौद्यो गकी-आधारित वन्यजीव संरक्षण प्रणा लयों को सु ढ़ कया गया है;
(ख) यदि हां, तो जैव व वधता संरक्षण, रोग निगरानी और अवैध वन्यजीव व्यापार पर अंकुश लगाने में उन्नत आनुवं शक अनुसंधान और फोरें सक क्षमताएं कस प्रकार सहायता प्रदान कर रही हैं;
(ग) बड़े पैमाने पर वनीकरण और सामाजिक संपरीक्षा के लए चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अ भयान की वर्तमान स्थिति क्या है और राष्ट्रव्यापी परिणामों और तथा इसके अंतर्गत प्राप्त जनभागीदारी की उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) पौधरोपण के जी वत रहने के आकलन, निगरानी और दीर्घका लक रखरखाव को सुनिश्चित करने हेतु स्था पत संस्थागत तंत्रों और डजिटल पोर्टलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन संह)

(क) और (ख) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीनस्थ स्वायत्त संस्थान भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में अत्याधुनिक सीक्वें संग एवं ऑटोमेशन तंत्र की स्थापना की गई है। नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वें संग सु वधा के माध्यम से आनुवं शक वश्लेषण अ धक शीघ्रता से कया जा सकता है, जिससे प्रजातियों के संरक्षण, अवैध वन्यजीव उत्पादों की फोरें सक जांच, रोग निगरानी, पारिस्थितिक एवं वकासवादी अध्ययन तथा साक्ष्य-आधारित जैव व वधता संरक्षण एवं देशभर में वन्यजीव संख्या की निगरानी संबंधी अनुसंधान को सु ढ़ बनाने में सहायता मलती है।

(ग) और (घ) सरकार ने नागरिकों को अपनी माताओं के सम्मान में वृक्षारोपण के लए प्रेरित करने तथा वृक्षारोपण कार्यकलापों में जन-भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देशव्यापी 'एक पेड़ माँ के नाम' अ भयान प्रारंभ कया है। व भन्न केंद्रीय मंत्रालयों/वभागों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र की संस्थाओं, शैक्ष णक एवं अन्य संस्थानों तथा अन्य हितधारकों द्वारा भी व भन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण कया जा रहा है। जून, 2024 में प्रारंभ कए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अ भयान के अंतर्गत अब तक कुल 291 करोड़ पौधों का रोपण दर्ज कया गया है। यह अ भयान वृक्षारोपण संबंधी गति व धयों को रिकॉर्ड करने और ट्रैक करने के लए 'मेरी लाइफ' पोर्टल नामक एक रियल-टाइम डजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है। राज्य सरकारों द्वारा वृक्षारोपण की निगरानी एक बहुस्तरीय तंत्र के माध्यम से की जाती है, जिसमें क्षेत्र निरीक्षण, संब धत राज्य अ धकारियों द्वारा अंतर-वृत्तीय सत्यापन, भौतिक और वत्तीय प्रगति रिपोर्ट, जियो-टैग की गई तस्वीरें और केएमएल फाइलें प्रस्तुत करना और जहाँ लागू हो, तृतीय-पक्ष लेखापरीक्षण शा मल हैं। वृक्षारोपण के बाद पौधों की देखभाल और रखरखाव को बढ़ावा देने के लए नागरिकों में जागरूकता गति व धयां भी चलाई जाती हैं।

*****